तापमान
अधिकतम 29.0 डिग्री
न्यूनतम 23.0 डिग्री

हरिभूमि
वनांचल भूमि
रायपुर, शनिवार 5 सितंबर 2026

11 इंद्रावती नदी पार बोड़गा में पीएम आवास योजना में...

12 रेड रन मैराथन में युवाओं ने दिया एचआईवी...

कमर तक पानी पार कर पुजारीपारा-सरगीगुड़ा स्कूल पहुंचते हैं तीन शिक्षक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

अलग खबर

बस्तर जिले के बास्तानार ब्लॉक के पुजारीपारा-सरगीगुड़ा स्थित प्राथमिक शाला में पदस्थ तीन शिक्षक एवं दो स्कूल के भृत्य 4 किमी दूर पैदल रोजाना जान जोखिम में डालकर स्कूल पहुंच रहे हैं। स्कूल तक पहुंचने के रास्ते में पड़ने वाले मांधर नाला पर पुल नहीं होने के कारण शिक्षकों को कमर तक भरे पानी को पार करना पड़ता है। बारिश के दिनों में नाला उफान पर होने से स्कूल पहुंचने का रास्ता बेहद खतरनाक हो जाता है। ग्रामीण क्षेत्र में बच्चों को शिक्षा से जोड़ने और स्कूल में नियमित कक्षाएं संचालित करने की जिम्मेदारी निभाने वाले शिक्षकों के सामने स्वयं स्कूल पहुंचना ही बड़ी चुनौती बन गया है। सामान्य दिनों में नाला पार करना मुश्किल होता है, जबकि तेज बारिश के बाद स्थिति और गंभीर हो जाती है। पानी का बहाव बढ़ने पर नाला पार करना जानलेवा साबित हो सकता है।

शिक्षक सन्नी डेविड नाग, चांदना कांगे, मंजुला ठाकुर, भृत्य दिलवार सिंह मौर्य, ऋचा ठाकुर शासकीय हाई स्कूल लालागुडा, मांधर नाला तुरांगूर, चंदरुपारा जाते हैं। शिक्षकों ने बताया कि वर्षाकाल में पांचों किलेपाल से बाइक से 15 किमी दूर मांधर नाला तुरांगूर तक पहुंचकर बाइक को छोड़कर पैदल नाला को पार कर लगभग 4 किमी तक पैदल स्कूल पहुंचते हैं।

शिक्षक दिवस पर विशेष : मांधर नाला में पुल नहीं, पुजारीपारा-सरगीगुड़ा के प्राथमिक स्कूल में पढ़ाने रोज जोखिम उठाते हैं

बारिश में बढ़ जाता है खतरा

नाला पार करते समय पानी का बहाव अचानक बढ़ने की स्थिति में संतुलन बिगड़ने का खतरा बना रहता है। इसके बावजूद शिक्षक बच्चों की पढ़ाई प्रभावित न हो, इसलिए जोखिम उठाकर स्कूल पहुंचते हैं। ग्रामीणों का कहना है कि शिक्षा व्यवस्था को सुचारु रखने के लिए सबसे पहले स्कूल तक सुरक्षित पहुंच मार्ग उपलब्ध कराया जाना जरूरी है।

कमर तक पानी में सफर, रोज का जोखिम

मांदर नाला में पुल नहीं होने के कारण तीनों शिक्षकों को स्कूल पहुंचने के लिए कई बार कमर तक पानी में उतरकर नाला पार करना पड़ता है। तेज बारिश के दौरान नाले का जलस्तर और बहाव बढ़ जाता है। ऐसे समय में शिक्षकों और ग्रामीणों के लिए नाला पार करना बेहद जोखिम भरा हो जाता है। ग्रामीणों ने मांदर नाला पर स्थायी पुल या मजबूत पुलिया निर्माण कराने की मांग की है, ताकि शिक्षकों, बच्चों और ग्रामीणों को बारिश में आवागमन की समस्या से राहत मिल सके।

खबर संक्षेप

सशिमं में कृष्ण जनमाष्टमी का पर्व धूमधाम से मना

नगरनार। सरस्वती शिशु मंदिर नगरनार विद्यालय के प्रांगण में जनमाष्टमी का कार्यक्रम धूमधाम से मनाया गया। इसमें विद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा कृष्ण, राधा, सुदामा, बलराम, गोपी आदि बनकर नृत्यप्रदर्शन किया गया एवं नगर में शोभायात्रा की झांकी निकाली गई। कार्यक्रम में उपस्थित पालकगण, प्रधानाचार्य सत्यम सिंह, रीना यादव, मालती बघेल, भारती बघेल, तेजेश्रवरी साहू, नंदिता सुरेन्द्र, रोशनी डेनियल, राधामनी बघेल, वृन्दावति कशयप सभी उपस्थित थे।

स्वदेशी मेला में लगे स्टॉल और प्राप्त राजस्व सार्वजनिक किया जाए

जगदलपुर। बस्तर अधिकार मुक्ति मोर्चा एवं जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) के मुख्य संयोजक नवनीत चांद ने जारी बयान में कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र की संस्था की निधि का उपयोग जनहित के काम में होना चाहिए। उन्होंने जिला प्रशासन, नगर निगम एवं एनएमडीसी से लालबाग मैदान में पिछले साल लगे स्वदेशी मेला में लगे व्यापारिक स्टॉलों से प्राप्त शुल्क तथा नगर निगम एवं शासन को प्राप्त राजस्व की जानकारी सार्वजनिक करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक निधि और संपत्ति का उपयोग बस्तर के हित, समान नियम और पारदर्शी प्रक्रिया के साथ होना चाहिए।

उमेश की हैट्रिक से एनवाईसी नगरनार की शानदार जीत, धरमपुरा को 5-2 से हराया

जगदलपुर। इंदिरा स्टेडियम मे चल रहे फुटबॉल मैच में एनवाईसी नगरनार ने शानदार प्रदर्शन करते हुए वाईसी धरमपुरा को 5-2 से शिकस्त दी। नगरनार की जीत के नायक उमेश रहे, जिन्होंने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए तीन गोल दागकर हैट्रिक पूरी की। मुकाबले में नगरनार की ओर से उमेश जर्सी नंबर 14 ने 7वें, 47वें और 70वें मिनट में गोल किए। वहीं जगन्नाथ जर्सी नंबर 7 ने 13वें और 59वें मिनट में गोल कर टीम की बढ़त मजबूत की। इस तरह नगरनार ने कुल पांच गोल किए। वाईसी धरमपुरा की ओर से अर्थ जर्सी नंबर 3 ने 53वें मिनट और भोला जर्सी नंबर 15 ने 61वें मिनट में गोल कर टीम की वापसी की कोशिश की, लेकिन नगरनार की मजबूत बढ़त को कम नहीं कर सके। मुकाबले के दौरान नगरनार के जोसेफ जर्सी नंबर 8 को रेकलेस टैकल के लिए तथा हेमंत जर्सी नंबर 3 को जर्सी खींचने के मामले में पीला कार्ड दिखाया गया। वहीं वाईसी धरमपुरा के रवि जर्सी नंबर 11 को एक ही मैच में दो पीले कार्ड मिलने के बाद लाल कार्ड दिखाकर मैदान से बाहर किया गया। मैच में रेफरी की भूमिका बिस्वजीत भट्टाचार्य, अगेंद्र नाथ, सुमित नाग और विजय बोरकर ने निभाई।

मावलीगुड़ा की शिक्षिका कामेश्वरी कश्यप शिक्षक दिवस पर होंगी सम्मानित

15 साल की मेहनत, नवाचार और बच्चों से दोस्ती ने शिक्षिका को दिलाया राज्य सम्मान

बस्तर जिले के बस्तर विकासखंड अंतर्गत पूर्व माध्यमिक शाला मावलीगुड़ा में पदस्थ उच्च श्रेणी शिक्षिका कामेश्वरी कश्यप को शिक्षक दिवस पर राज्यपाल द्वारा राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान से सम्मानित किया जाएगा। लगभग 15 वर्षों से मावलीगुड़ा स्कूल में सेवाएं दे रहीं कामेश्वरी ने नवाचार, सामुदायिक सहभागिता और बच्चों के साथ मित्रवत व्यवहार को अपनी शिक्षण पद्धति का आधार बनाया है। उनके प्रयासों से विद्यालय में बच्चों की नियमितता और पढ़ाई के प्रति रुचि बढ़ी है।

शिक्षक दिवस विशेष

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

कामेश्वरी ने बताया कि मावलीगुड़ा की प्राथमिक शाला से माध्यमिक शाला में पदोन्नति के बाद जब उन्होंने जिम्मेदारी संभाली, उस समय स्कूल एकल शिक्षकीय था। शुरूआत में कई तरह की कठिनाइयां सामने आईं, लेकिन उन्होंने बच्चों के साथ मित्रवत संबंध स्थापित किया। उनका मानना रहा कि शिक्षक और बच्चे के बीच विश्वास का रिश्ता मजबूत हो तो शिक्षा का हर कदम आसान हो जाता है। शुरूआत में चुनौतियां थीं, लेकिन जब बच्चों की दोस्त बन गई तो हर कदम आसान होता गया। बच्चों की रुचि के अनुसार गतिविधियां और उन्हें प्रोत्साहित करने की नीति कामेश्वरी कश्यप की शिक्षण शैली की खास पहचान बनी है।

बच्चों की रुचि को बनाया शिक्षण का आधार : कामेश्वरी ने बच्चों में स्कूल के प्रति रुचि बढ़ाने के लिए उनकी पसंद और रुचि के अनुसार गतिविधियां शुरू कीं। बच्चों के छोटे-छोटे प्रयासों को भी प्रोत्साहित करने के लिए उन्हें पुरस्कृत किया। इससे बच्चों में नियमित रूप से स्कूल आने और विभिन्न गतिविधियों में हिस्सा लेने की भावना विकसित हुई। उनके मार्गदर्शन में बच्चों ने जिला स्तरीय हैंडबुक प्रतियोगिता में सफलता हासिल की। वहीं राज्योत्सव सहित बस्तर दशहरा और मुख्यमंत्री के कार्यक्रम में विद्यालय के बच्चों द्वारा तैयार विज्ञान मॉडल का प्रदर्शन किया गया। इन मॉडलों को तैयार करने में बच्चों के साथ शिक्षिका ने भी लगातार मेहनत की।

कबाड़ से जुगाड़ ने बदली स्कूल की तस्वीर

शिक्षिका कामेश्वरी कश्यप विद्यालय को आकर्षक और बच्चों के अनुकूल बनाने के लिए कबाड़ से जुगाड़ के तहत लगातार रचनात्मक गतिविधियां करती रही हैं। वर्तमान में उन्होंने शिक्षक साथियों के सहयोग से कबाड़ से जुगाड़ की सामग्री का उपयोग कर मुस्कान पुस्तकालय को आकर्षक स्वरूप दिया है। इसका सकारात्मक असर बच्चों पर दिखाई दे रहा है मुस्कान पुस्तकालय ने बच्चों में किताबों के प्रति रुचि बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

कोरोना काल में मोहल्ला क्लास से जारी रखी पढ़ाई : कोरोना महामारी के दौरान जब स्कूल बंद थे, उस समय भी उन्होंने बच्चों की पढ़ाई को बाधित नहीं होने दिया। लगातार मोहल्ला क्लास का संचालन कर बच्चों को पढ़ाई ▶▶| शेष पेज 10 पर

संस्कृति और समुदाय को शिक्षा से जोड़ने का प्रयास

विद्यालय में समुदाय की सहभागिता बढ़ाने के लिए विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। स्थानीय संस्कृति, परंपरा और कौशल से जुड़ी गतिविधियों के माध्यम से बच्चों और समुदाय को जोड़ने का प्रयास किया जाता है। इन आयोजनों से बच्चों में अपनी संस्कृति के प्रति समझ के साथ ही एक-दूसरे के प्रति सहयोग और सामूहिक भावना विकसित करने पर जोर दिया जाता है। कामेश्वरी का कहना है कि शिक्षक के लिए सबसे बड़ी उपलब्धि तब होती है, जब बच्चे खुशी से स्कूल आएं, सीखने के लिए उत्साहित रहें और अपनी प्रतिभा को पहचान सकें। इसी सोच के साथ वे लगातार नवाचार करते हुए विद्यालय में बेहतर शैक्षणिक वातावरण बनाने का प्रयास कर रही हैं।

बस्तर जिले के तोकापाल विकासखंड के सिंगनपुर प्राथमिक शाला के प्रधान अध्यापक पतिराम राय ने शिक्षक की इसी जिम्मेदारी को अपनी जिंदगी का मिशन बना लिया है। दिव्यांग होने के बावजूद उनका हौसला कभी कमजोर नहीं हुआ।

दिव्यांगता को हराकर बच्चों की जिंदगी में रोशनी भर रहे पतिराम

जगदलपुर। कोरोना महामारी के दौरान जब स्कूलों के दरवाजे बंद हो गए थे और बच्चों की पढ़ाई पूरी तरह प्रभावित हो रही थी, तब उन्होंने अपनी तीन पहिया स्कूटी को ही चलता-फिरता स्कूल बना लिया। स्कूल बंद होने के कारण गांव के बच्चों की पढ़ाई न छूटे, इसके लिए पतिराम अपनी स्कूटी से बच्चों तक पहुंचते और उन्हें पढ़ाते थे। गांव की गलियों और बच्चों के घरों तक पहुंचकर उन्होंने शिक्षा की कड़ी को टूटने नहीं दिया। उनके लिए कोरोना संक्रमण का दौर भी बच्चों को शिक्षा से जोड़े रखने की जिम्मेदारी से पीछे हटने का कारण नहीं बना।

पतिराम की कहानी का सबसे भावुक पहलू यह है कि जिस सिंगनपुर प्राथमिक शाला में उन्होंने कभी विद्यार्थी बनकर पढ़ाई की थी, आज उसी स्कूल में वे बच्चों को पढ़ा रहे हैं। विद्यार्थी से शिक्षक और फिर प्रधान अध्यापक तक का उनका सफर अपने आप में प्रेरणादायक है। कभी इसी स्कूल में उनके शिक्षक उन्हें पढ़ाया करते थे। समय बदला और उनके शिक्षक सेवानिवृत्त हो गए। इसके बाद पतिराम राय को उसी शाला में प्रधान अध्यापक की जिम्मेदारी ▶▶| शेष पेज 10 पर

पिता व दोस्तों ने पहुंचाते थे स्कूल

पतिराम ने बताया कि वह दोनों पैरों से दिव्यांग होने से मेरी जिंदगी काफी संघर्ष भय रहा। उसने कक्षा पहली से 4 थी तक अपंग बाल गृह जगदलपुर में रहा। उसके बाद 5 वीं कक्षा में कार्यरत संस्था प्राथमिक शाला सिंगनपुर से किया, जहां उसके पिता एवं दोस्तों ने सायकल पर बैठाकर स्कूल पहुंचाते थे। कक्षा 6 वीं से 8 वीं तक की शिक्षा गांव के ही स्कूल में अध्ययन किया। उसी समय उसे आने-जाने के लिए ट्राय सायकल मिला था। हाईस्कूल तथा हायर सेकंड्री की पढ़ाई नेहरू छात्रावास में रहकर पढ़ा। छात्रावास से गांव आने के लिए ट्राय सायकल से ही 30-40 किमी यात्रा किया करता था।

श्रीकृष्ण-सुदामा की मित्रता सुन भावविभोर हुए श्रद्धालु भागवत कथा का समापन

जगदलपुर। पंजाब सनातन धर्म सभा द्वारा आयोजित सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का शुक्रवार को समापन हुआ। इस धार्मिक आयोजन के अंतिम दिन पंडाल में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। कथा व्यास आचार्य अमर कृष्ण शुक्ल ने भगवान श्रीकृष्ण-सुदामा चरित्र एवं राजा परीक्षित मोक्ष का मार्मिक प्रसंग सुनाया, जिसे सुनकर श्रद्धालु भावविभोर हो उठे।

- अंतिम दिन महापौर ने लिया आचार्य से आशीर्वाद

कथा व्यास ने सुदामा चरित्र के माध्यम से सच्ची मित्रता की परिभाषा बताते हुए कहा कि मित्रता में धन, पद और सामाजिक स्थिति मायने नहीं रखती है, बल्कि मन के भाव और निष्कपट प्रेम सर्वोपरि होता है। उन्होंने आज के दौर की स्वार्थपरक मित्रता को छोड़ श्रीकृष्ण-सुदामा के आदर्शों को जीवन में उतारने का आह्वान किया। दूसरे प्रसंग में उन्होंने बताया कि कैसे राजा परीक्षित ने मृत्यु निकट होने पर शुकदेव जी से सात दिनों तक भागवत श्रवण किया और सांसारिक मोह से मुक्त होकर मोक्ष प्राप्त किया।

कथा के अंतिम दिन महापौर संजय पांडे मुख्य रूप से कथा श्रवण करने पहुंचे और व्यासपीठ का पूजन कर आचार्य से आशीर्वाद लिया। इस सफल आयोजन में पंजाब सनातन धर्म सभा, महिला सत्संग समिति, युवा समिति और गणमान्य पदाधिकारियों सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने अपनी सेवाएं दीं।

सीनियर क्रिकेट खिलाड़ियों का ट्रायल कल

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ द्वारा दिए गए निर्देश अनुसार सीनियर क्रिकेट खिलाड़ियों का ट्रायल 6 सितंबर की सुबह 10 बजे से नेताजी सुभाष चंद्र बोस क्रिकेट स्टेडियम कालीपुर में बस्तर जिला क्रिकेट संघ जगदलपुर द्वारा लिया जाएगा। ट्रायल में चयनकर्ता प्रदीप गुहा, शाहिद खान, रविंद्र ठाकुर, विवेक राय, टोनी बारला होंगे, ट्रायल रायपुर से आए पर्यवेक्षक आनंद तलवार की उपस्थिति में लिया जाएगा। ट्रायल टेस्ट एवं टी 20 मैच के लिए लिया जाएगा। इच्छुक खिलाड़ी सफेद पोशाक एवं स्वयं के कीट के साथ उपस्थिति होवे।

मोबाइल के जरिए कार्यकर्ताओं से जुड़े भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

- कहा सेवा और समर्पण से मजबूत होता है संगठन

दिल्ली में उपचार रत भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने शुक्रवार को मोबाइल के माध्यम से जगदलपुर भाजपा कार्यालय में आयोजित जिला कार्य समिति एवं सेवा संकल्प अभियान कार्यशाला को संबोधित किया। उन्होंने संगठन के प्रति अपने समर्पण और कार्यकर्ताओं के प्रति आत्मीय जुड़ाव का भाव प्रकट किया।

उन्होंने कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि संगठन की शक्ति कार्यकर्ताओं के परिश्रम, सेवा और समर्पण में निहित है। देव ने कार्यकर्ताओं को श्री कृष्ण जन्माष्टमी पर्व की बधाई देते हुए कर्म पथ पर निरंतर आगे बढ़ने कहा। उनके संबोधन ने कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा और उत्साह का संचार किया। उपचार के बीच भी संगठन के प्रति उनकी सक्रियता और कार्यकर्ताओं से संवाद ने उपस्थित कार्यकर्ताओं को भावुक कर दिया। प्रदेश अध्यक्ष का संदेश स्पष्ट था कि व्यक्तिगत परिस्थितियां चाहे कैसी भी हों, संगठन और समाजसेवा का संकल्प सदैव सर्वोपरि है।

कार्यकर्ताओं ने भी प्रदेश अध्यक्ष देव के शीघ्र स्वस्थ होने और पूर्ण स्वास्थ्य के साथ संगठन के बीच लौटने की कामना की। पूरे सभागार में उनके प्रति स्नेह, सम्मान और आत्मीयता का भाव नजर आया। सेवा संकल्प अभियान जिला कार्यशाला में प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय, वन मंत्री केदार कश्यप, प्रदेश उपाध्यक्ष जी वेंकट, संभाग सहप्रभारी हरपाल सिंह भामरा, सांसद महेश कश्यप, जिला अध्यक्ष वेदप्रकाश पाण्डेय, विधायक विनायक गोयल, जिपं अध्यक्ष वेदवती कश्यप, महापौर संजय पाण्डेय सहित प्रदेश व जिला संगठन पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता गण मौजूद रहे।

कृष्ण मंदिर से निकाली शोभायात्रा, डीजे की धुन पर थिरके युवा

राधा-कृष्ण की भक्ति में झूमा शहर, चौक-चौराहों तक गूंजे भजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

कृष्ण जन्माष्टमी पर शुक्रवार को शहर पूरी तरह भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति में रंगा नजर आया। मंदिरों से लेकर चौक-चौराहों और बाजारों तक दिनभर जन्माष्टमी का उत्साह दिखाई दिया। दलपत सागर चौक स्थित कृष्ण मंदिर से राधा-कृष्ण की शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। डीजे पर गूंजते भगवान श्रीकृष्ण के भजनों और जयकारों के बीच युवा भक्ति में झूमते हुए नजर आए।

- बाजारों में पूजन सामग्री और फलों की खरीदारी के लिए उमड़ी भीड़

शोभायात्रा कृष्ण मंदिर से प्रारंभ होकर सीरासार चौक, मेन रोड, मिलन होटल, चांदनी चौक, हनुमान मंदिर चौक और संजय मार्केट होते हुए वापस कृष्ण मंदिर पहुंची। यात्रा के दौरान मार्गभर श्रद्धालु भगवान श्रीकृष्ण और राधारानी के जयकारे लगाते रहे। शोभायात्रा में युवाओं की विशेष भागीदारी रही। डीजे पर बज रहे भक्ति गीतों पर युवा उत्साह के साथ थिरकते दिखाई दिए। जगह-जगह श्रद्धालुओं ने शोभायात्रा का स्वागत किया।

चौक-चौराहों पर भी दिखा भक्ति का रंग : जन्माष्टमी पर शहर के विभिन्न चौक-चौराहों पर भी विशेष आयोजन किए गए। कई स्थानों पर डीजे लगाकर युवा भगवान श्रीकृष्ण के भजनों पर भक्ति में सराबोर नजर आए। शाम होते-होते शहर के प्रमुख इलाकों में भजनों और जयकारों की गूंज सुनाई देती रही। बच्चों और युवाओं में जन्माष्टमी को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला। प्रतापगंज स्थित शंकर सेवा संघ में भी जन्माष्टमी को लेकर विशेष तैयारी की गई है। यहां शुक्रवार रात 12 बजे भगवान श्रीकृष्ण की प्रतिमा स्थापित की जाएगी। प्रतिमा स्थापना को लेकर आयोजन समिति द्वारा आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। प्रतिमा स्थापना के बाद श्रद्धालुओं के लिए विशेष पूजा-अर्चना और धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

पूजन सामग्री की दुकानों पर रही भीड़

जन्माष्टमी के अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उपवास रखा। व्रती महिलाओं और परिवारों ने भगवान श्रीकृष्ण के पूजन के लिए फल, फूल, माखन-मिश्री, पंचामृत, पूजा सामग्री सहित अन्य आवश्यक वस्तुओं की खरीदारी की। शहर के संजय मार्केट सहित प्रमुख बाजारों में दिनभर लोगों की आवाजाही बनी रही। महिलाएं भगवान कृष्ण के पूजन के लिए पूजा की थाली सजाने की सामग्री खरीदती नजर आईं। वहीं फलों और अन्य पूजन सामग्री की दुकानों पर भी अच्छी-खासी भीड़ रही। बाजार में बढ़ी चहल-पहल से व्यापारियों में भी उत्साह दिखाई दिया। शहर में मंदिरों की सजावट, चौक-चौराहों पर धार्मिक आयोजन, डीजे पर गूंजते भजन और श्रद्धालुओं के जयकारों ने जन्माष्टमी के पर्व को उत्सव का रूप दे दिया। देर शाम तक पूरा शहर भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति में डूबा नजर आया।

खबर संक्षेप

जन्माष्टमी पर नन्हें राधा-कृष्ण की मनमोहक झलक

फरसगांव। क्षेत्र में शुक्रवार को श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव का पर्व हर्षोल्लास से मनाया गया। सुबह से ही मंदिरों में पूजा-अर्चना के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ रही। वहीं घरों में भी भगवान श्रीकृष्ण की पूजा कर सुख-समृद्धि की कामना की गई। जन्माष्टमी पर नन्हें-मुन्नें बच्चों में भी खासा उत्साह देखने को मिला। बच्चों को आकर्षक वेशभूषा में सजाकर राधा और कृष्ण का रूप दिया गया। छोटे-छोटे कान्हा मुकुट, बांसुरी और पीले वस्त्रों में तो बालिकाएं राधा के रूप में बेहद मनमोहक नजर आईं। बच्चों के मनमोहक रूप ने सभी का ध्यान आकर्षित किया।

स्कॉर्पियो की टक्कर के बाद ट्रक की चपेट में आया युवक घायल

फरसगांव। नेशनल हाईवे-30 पर शुक्रवार दोपहर करीब 3 बजे फरसगांव बस स्टैंड के पास हुए सड़क हादसे में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद फरसगांव सड़क सुरक्षा समिति के सदस्यों ने तत्परता दिखाते हुए स्थानीय लोगों की मदद से घायल युवक को तत्काल अस्पताल पहुंचाया। जानकारी के अनुसार अरुण नेताम, पिता भारत नेताम, निवासी भाटगांव धनोरा, अपने परिजनों के साथ घर जाने के लिए रमेश होटल के पास वाहन का इंतजार कर रहा था। इसी दौरान वह सड़क पार स्थित मोबाइल दुकान से वापस लौट रहा था। तभी रायपुर की ओर जा रही स्कॉर्पियो ने उसे टक्कर मार दी। टक्कर के बाद अरुण सड़क पर गिर गया और पीछे से आ रहे ट्रक की चपेट में आ गया। हादसे में उसका पैर बुरी तरह कुचल गया।

सूने मकान से लाखों के जेवर और 85 हजार की चोरी

कोण्डागांव। राखी का त्योहार मनाने परिवार सहित बाहर जाना एक परिवार को महंगा पड़ गया। सूने मकान को निशाना बनाते हुए अज्ञात चोरों ने वेंटिलेशन तोड़कर घर में प्रवेश किया और बेडरूम में रखी अलमारी का ताला तोड़कर 85 हजार रुपए नकद तथा लाखों रुपए के सोने–चांदी के आभूषण चोरी कर लिए। घटना कोण्डागांव के सरगीपाल क्षेत्र की बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार सरगीपाल निवासी चित्तरंजन साहू 30 वर्ष 28 अगस्त की सुबह परिवार सहित राखी का त्योहार मनाने नगरी, जिला धमतरी गए थे। चोरों ने सूने घर का फायदा उठाकर उसे निशाना बनाया। चोरों ने मकान के वेंटिलेशन को तोड़कर खिड़की के रास्ते बेडरूम में प्रवेश किया। इसके बाद कमरे में रखी अलमारी का ताला तोड़ दिया। अलमारी में रखे 85 हजार नकद और सोने–चांदी के लाखों रुपए मूल्य के आभूषण लेकर फरार हो गए।

लोकगायक सिद्धार्थ महाजन को मिला लोकधरा गौरव सम्मान 2026

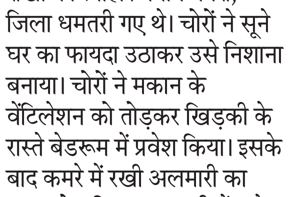

कोण्डागांव। लोकगायक सिद्धार्थ महाजन को लोकधरा गौरव सम्मान 2026 से सम्मानित किया गया। प्रदेश स्तरीय लोक कला अलंकरण समारोह में मिले इस सम्मान से कोंडागांव और बस्तर के कलाकारों में हर्ष है। सम्मान प्रमाण पत्र में छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति, लोक कला, परंपरा, संगीत, नृत्य, रंगकला एवं लोक साहित्य के संरक्षण, संवर्धन और प्रचार–प्रसार में उनके योगदान को विशेष रूप से उल्लेखित किया गया। उन्हें लोकगायन के क्षेत्र में सम्मानित किया गया। समारोह में सिद्धार्थ महाजन के साथ कोंडागांव जिले के बड़े राजपुर क्षेत्र के लोकेश गंधर्व, प्रदीप पठारी और सुरेंद्र कोर्राम को भी सम्मानित किया गया। वहीं कोटपाड़ के मांदरी ग्रुप के कलाकारों को भी उनके सांस्कृतिक योगदान के लिए सम्मान मिला।

जयकारों से गूंजा शहर

कृष्ण जन्माष्टमी पर यदुवंशी समाज ने निकाली शोभायात्रा

कोण्डागांव। कृष्ण जन्माष्टमी पर कोंडागांव नगर में यदुवंशी समाज द्वारा शोभायात्रा निकाली गई। भगवान श्रीकृष्ण की आकर्षक झांकी और सुसज्जित रथ के साथ निकली शोभायात्र में समाज के महिला–पुरुषों ने भाग लिया। जयकारों और भक्ति गीतों से नगर का वातावरण कृष्णमय हो गया।

यदुवंशी समाज की शोभायात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरी। रास्तेभर श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीकृष्ण की झांकी के दर्शन किए और पूजा–अर्चना कर आशीर्वाद लिया। शोभायात्र में भगवान श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप की झांकी विशेष आकर्षण का केंद्र रही। सुसज्जित रथ पर विराजमान भगवान श्रीकृष्ण के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ नजर आई। आयोजन में यदुवंशी समाज के महिला–पुरुष और युवा पारंपरिक वेशभूषा में शामिल हुए। समाज के पदाधिकारियों ने कहा कि जन्माष्टमी केवल

धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि भगवान श्रीकृष्ण के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने का अवसर भी है। आयोजन के माध्यम से समाज की एकजुटता, सामाजिक सद्भाव और आपसी भाईचारे का संदेश दिया गया।

मटकी फोड़ स्पर्धा में पाण्डेआठगांव की टीम ने मारी बाजी

फरसगांव। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर बोरगांव के एसटी पारा में शुक्रवार को मटकी फोड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। दोपहर 2 बजे विधि-विधान से शुरू हुई प्रतियोगिता का समापन शाम 5 बजे हुआ।

प्रतियोगिता में बोरगांव, पश्चिम बोरगांव, पाण्डेआठगांव और जय गुरुदेव की टीमों ने हिस्सा लिया। पहले राउंड में सभी टीमों ने मटकी फोड़ने में सफलता हासिल की, जबकि दूसरे राउंड में पाण्डेआठगांव की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बाजी मार ली। दूसरे राउंड में पाण्डेआठगांव को छोड़कर कोई भी टीम मटकी नहीं फोड़ सकी।

विजेता पाण्डेआठगांव की टीम को स्व. विक्की

दास जनपद सदस्य की स्मृति में 31,001 का प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया। प्रतियोगिता को लेकर युवाओं और ग्रामीणों में खासा उत्साह देखने को मिला।

विकसित भारत जीरामजी के तहत 5500 पौधों का रोपण

वन महोत्सव में मंत्री केदार कश्यप ने किया पौधारोपण, पर्यावरण संरक्षण का दिलाया संकल्प

हरिभूमि न्यूज ⏭ केशकाल

विधानसभा अंतर्गत विकासखंड बड़ेराजपुर के ग्राम पंचायत बीरापारा अंतर्गत ग्राम बावनपुरी, विश्रामपुरी में वनमंडल स्तरीय वन महोत्सव 2026 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन छत्तीसगढ़ वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, वन परिक्षेत्र बड़ेराजपुर-विश्रामपुरी एवं वनमंडल केशकाल द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में वन मंत्री केदार कश्यप ने मैंदा प्रजाति के पौधे का रोपण कर वन महोत्सव का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में विकसित भारत जीरामजी के तहत वन विभाग और भारत माला परियोजना के सहयोग से 5500 पौधों का रोपण किया गया। इस अवसर पर केशकाल विधायक नीलकंठ टेकाम सहित उपस्थित जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, विद्यार्थियों एवं ग्रामीणों ने हमारा संकल्प – एक पेड़, एक जीवन; हरित भारत, स्वस्थ भारत की शपथ ली। सभी ने अधिक से अधिक पौधारोपण करने तथा लगाए गए पौधों के संरक्षण का संकल्प लिया। इस दौरान पेड़ों को राखी बांधकर प्रकृति एवं पर्यावरण

संरक्षण का संदेश भी दिया गया।

मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि क्षेत्र को हरा-भरा बनाना बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि केशकाल विधानसभा क्षेत्र के सभी शासकीय संस्थानों में ग्रीन बाउंड्री विकसित करने की दिशा में लगातार कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से पौधों की नियमित देखभाल की जिम्मेदारी निभाने तथा पर्यावरण संरक्षण को जन-जन का अभियान बनाने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री के मंशानुरूप वन विभाग संरक्षण की दिशा अच्छा काम कर रहा है। वनों का क्षेत्र बढ़ रहा है। इसमें आपकी भी सहभागिता है। उन्होंने कहा 17 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर अपने घरों में दिए अवश्य जलायें। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में तीर्थ यात्रा योजना और राम लला दर्शन योजना से नागरिकों को दर्शन का लाभ मिल रहा है। उन्होंने नागरिकों से वृक्ष कटाई से बचाने और लघु वनोपजो के संग्रहण और प्रसंस्करण का लाभ लेने की अपील की। कार्यक्रम में राज मोहिनी देवी अनुदान योजना के अंतर्गत तीन हितग्राहियों को 2 लाख 30 लाख का चेक, प्रतिभाशाली छात्रवृत्ति योजना के तहत 6 छात्राओं को कुल 01 लाख 20 हजार रूपए की राशि, सर्वाधिक तेंदूपत्ता संग्रहण करने वाले वर्ष 2026 के 03 संग्राहकों को 01 लाख 31 हजार रुपए का चेक और वर्ष 2023 के 03 संग्राहकों को 48 हजार 606 रुपए का चेक प्रदान किया गया। साथ ही वनों के संवर्धन और संरक्षण में उत्कृष्ट कार्य के लिए 08 संयुक्त वन प्रबंधन समितियों और 11 कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष रीता सोरी, नगर पंचायत केशकाल अध्यक्ष बिहारी लाल शोरी, जनपद पंचायत केशकाल अध्यक्ष नंदनी पोटाई, पूर्व विधायक सेवक राम नेताम, ग्राम पंचायत बिर्रापारा, विश्रामपुरी की सरपंच राधा मरकाम, जनपद पंचायत बड़ेराजपुर अध्यक्ष सुकमन नेताम, जनपद पंचायत फरसगांव अध्यक्ष मानकू राम नेताम, जिला पंचायत कोण्डागांव के उपाध्यक्ष हिरासिंह नेताम, जनपद पंचायत बड़ेराजपुर सदस्य चन्द्ररेखा मरकाम, वन मंडलाधिकारी केशकाल दिव्या गौतम, जिला पंचायत सीईओ अविनाश भोई, एसडीएम अशवन पुसाम, एसडीओ सुषमा नेताम सहित अन्य जनप्रतिनिधि, विभागीय अधिकारी, विद्यालय परिवार, विद्यार्थी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर का कांग्रेस ने किया विरोध, सौंपा ज्ञापन

कोण्डागांव। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के हल्द्वानी कार्यक्रम स्थल पर भाजपा एवं आरएसएस कार्यकर्ताओं द्वारा कथित तौर पर किए गए जातिवादी शुद्धिकरण अनुष्ठान को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। इसी मामले में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के विरुद्ध दर्ज एफआईआर के विरोध में जिला कांग्रेस कमेटी कोंडागांव ने कोतवाली थाना पहुंचकर आवेदन सौंपा और कथित शुद्धिकरण करने वालों के खिलाफ भी एफआईआर दर्ज करने की मांग की।

> ■ खड़गे के कार्यक्रम स्थल पर कथित 'शुद्धिकरण' को लेकर भाजपा–आरएसएस कार्यकर्ताओं पर एफआईआर की मांग

कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि हल्द्वानी में मल्लिकार्जुन खड़गे के कार्यक्रम स्थल पर भाजपा एवं आरएसएस कार्यकर्ताओं द्वारा कथित रूप से शुद्धिकरण किया गया। कांग्रेस ने इसे सामाजिक समानता और संवैधानिक मूल्यों के विरुद्ध बताते हुए घटना की कड़ी निंदा की। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि यह केवल पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष का अपमान नहीं है, बल्कि दलित, वंचित और समानता में विश्वास रखने वाले करोड़ों नागरिकों की भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाला कृत्य है। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि घटना के बाद राहुल गांधी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से अपना पक्ष रखते हुए दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी। कांग्रेस का आरोप है कि इसके बावजूद दोषियों पर कार्रवाई करने के बजाय उत्तराखंड पुलिस ने राहुल गांधी के खिलाफ हल्द्वानी कोतवाली में एफआईआर दर्ज कर दी। कांग्रेस ने इस कार्रवाई को विपक्ष की आवाज दबाने का प्रयास बताते हुए इसका विरोध किया। जिला कांग्रेस कमेटी ने कोतवाली थाना में सौंपे आवेदन में मांग की कि यदि राहुल गांधी के विरुद्ध एफआईआर दर्ज की गई है, तो कार्यक्रम स्थल पर कथित 'शुद्धिकरण अनुष्ठान' करने वाले भाजपा एवं आरएसएस कार्यकर्ताओं के खिलाफ भी तत्काल एफआईआर दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जाए।

अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के उपलक्ष्य में 15 सितंबर तक साक्षरता पखवाड़ा

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोण्डागांव

कलेक्टर नुपूर राशि पन्ना के मार्गदर्शन एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अविनाश भोई के नेतृत्व में जिले में उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत साक्षरता पखवाड़ा आयोजित किया जा रहा है। राज्य साक्षरता मिशन प्राधिकरण कोण्डागांव के निर्देशानुसार 1 से 15 सितंबर तक विभिन्न जागरूकता एवं शैक्षणिक गतिविधियां आयोजित होंगी। वहीं 8 सितंबर को अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस मनाया जाएगा।

> ■ उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के तहत जिलेभर में होंगी विभिन्न गतिविधियां

जिला शिक्षा अधिकारी भारती प्रधान ने बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत पूरे देश में उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य 15 वर्ष से अधिक आयु के उन वयस्कों को साक्षर एवं सशक्त बनाना है, जिन्होंने किसी कारणवश स्कूली शिक्षा प्राप्त नहीं की है।

साक्षरता पखवाड़े के तहत 1 सितंबर को उल्लास साक्षरता का शुभारंभ एवं उल्लास शपथ का आयोजन किया जाएगा। अभियान में विकासखंड स्तर से व्यापक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए सभी विकासखंड शिक्षा अधिकारियों एवं प्राचार्योर् को निर्देश दिए गए हैं।

2 सितंबर को कक्षा पहली से 12वीं तक के विद्यार्थियों के माध्यम से निरक्षर दादा–दादी, नाना–

नानी अथवा माता–पिता को प्रतिदिन कम से कम 15 मिनट अखबार की सुर्खियां एवं बुनियादी अक्षर पढ़ना–लिखना सिखाने की गतिविधि होगी। 3 सितंबर को उल्लास मोबाइल एप के माध्यम से उल्लास पोर्टल पर असाक्षरों का शत–प्रतिशत पंजीयन किया जाएगा। 4 सितंबर को विद्यालय स्तर पर साक्षरता संगोष्ठी एवं 'अंगूठे से कलम की ओर' अभियान आयोजित किया जाएगा। 5 सितंबर को शिक्षक दिवस के अवसर पर साक्षरता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों एवं समाजसेवियों को सम्मानित किया जाएगा। 6 सितंबर को साक्षरता चौपाल सहित विभिन्न जागरूकता गतिविधियों का आयोजन होगा। 7 सितंबर को 'सबके लिए शिक्षा' विषय पर चर्चा, वाद–विवाद, गीत, नृत्य, पेंटिंग, चित्रकला एवं मेहंदी जैसी गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। 8 सितंबर को जिला मुख्यालय में सुपोषित, शिक्षित एवं समृद्ध सरगुजा से संबंधित जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। जिला परियोजना अधिकारी डी. एस. पोटाई ने बताया कि 1 से 15 सितंबर तक नवाचारी शिक्षकों द्वारा उल्लास के शिक्षार्थियों के सीखने–सिखाने के लिए मनोरंजक शिक्षण–अधिगम सामग्री टीएलएम का प्रदर्शन किया जाएगा।

पेज 9 के शेष

15 साल की मेहनत, नवाचार...

से जोड़े रखा। इस महत्वपूर्ण कार्य के लिए उन्हें कोरोना वारियर्स सम्मान से भी सम्मानित किया गया। स्कूल बंद था, लेकिन शिक्षा नहीं। कोरोना संक्रमण के दौरान कामेश्वरी कश्यप ने मोहल्ला क्लास के माध्यम से बच्चों की पढ़ाई जारी रखी। बच्चों तक पहुंचकर नियमित शिक्षण गतिविधियां संचालित कीं। उनके इस योगदान के लिए उन्हें कोरोना वारियर्स सम्मान से सम्मानित किया गया।

दिव्यांगता को हराकर...

मिली। जिस कक्षा में कभी उन्होंने बैठकर ज्ञान हासिल किया था, आज उसी शाला में खड़े होकर वे नई पीढ़ी को शिक्षा दे रहे हैं। उन्हें राजीव गांधी शिक्षा मिशन अभियान में पुरस्कृत हो चुके हैं।

स्कूटी पर किताबें, मन में पढ़ाने का जुनून : कोरोना काल में जहां अधिकांश लोग संक्रमण के डर से घरों से बाहर निकलने से बच रहे थे, वहीं पतिराम राय बच्चों तक शिक्षा पहुंचाने के लिए अपनी तीन पहिया स्कूटी से निकलते थे। स्कूटी उनके लिए केवल आने-जाने का साधन नहीं रही, बल्कि वह चलती-फिरती पाठशाला बन गई थी। बच्चों को पढ़ाने के साथ वे उन्हें कोरोना से बचाव के उपाय भी बताते थे। मास्क का उपयोग, हाथों की सफाई, शारीरिक दूरी और संक्रमण से बचने के लिए जरूरी सावधानियों के बारे में ग्रामीणों को जागरूक करते रहे। इस तरह उनकी स्कूटी एक साथ शिक्षा और जागरूकता का माध्यम बन गई।

सेवाकाल में आज तक आकस्मिक अवकाश नहीं लिया : पतिराम राय अपनी कर्तव्यनिष्ठा को लेकर भी अलग पहचान रखते हैं। उनका कहना है कि उन्होंने अपने सेवाकाल में आज तक आकस्मिक अवकाश का उपयोग नहीं किया। वे इसे अपने लिए सौभाग्य मानते हैं। उनके लिए स्कूल और बच्चे केवल नौकरी का हिस्सा नहीं, बल्कि जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। उनकी सोच है कि शिक्षक को बच्चों के बीच रहकर उनकी जरूरतों को समझना चाहिए। यही कारण है कि विपरीत परिस्थितियों में भी उन्होंने अपने कर्तव्य से पीछे हटना स्वीकार नहीं किया।

दिव्यांगता बनी नहीं बाधा, बनी हौसले की पहचान : शारीरिक चुनौतियों के बावजूद पतिराम राय ने कभी अपनी दिव्यांगता को कमजोरी नहीं बनने दिया। तीन पहिया स्कूटी के सहारे वे अपने कार्यस्थल तक पहुंचते हैं और बच्चों को शिक्षा देने में जुटे रहते हैं। उनका जीवन यह संदेश देता है कि हौसला मजबूत हो तो शारीरिक सीमाएं भी लक्ष्य के रास्ते में दीवार नहीं बन सकतीं। शिक्षक दिवस के अवसर पर पतिराम राय की

बाइक हादसे में घायल युवक की मौत

फरसगांव। जन्माष्टमी के दिन ग्राम सोनाबेड़ा टाटीपारा में हुए सड़क हादसे में गांव के ही एक युवक की मौत हो गई। बाइक अनियंत्रित होकर दीवार से टकराने के बाद युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी के अनुसार प्रदीप कुमार नेताम, पिता रामजन्म नेताम, निवासी सोनाबेड़ा टाटीपारा, बाइक से अपने गांव जा रहा था। इसी दौरान गांव में ही उसकी बाइक अचानक अनियंत्रित हो गई और सामने स्थित दीवार से जा टकराई। हादसे में प्रदीप गंभीर रूप से घायल हो गया। बताया जा रहा है कि दुर्घटना के बाद घायल युवक काफी देर तक घटनास्थल पर ही पड़ा रहा। एंबुलेंस नहीं पहुंचने पर ग्रामीणों ने निजी वाहन की मदद से उसे फरसगांव अस्पताल पहुंचाया। यहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए चीरघर में रखवाया गया है।

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

खबर संक्षेप

धूमधाम से मना सरस्वती शिशु मंदिर में कृष्ण जन्माष्टमी

नगरनार। सरस्वती शिशु मन्दिर नगरनार विद्यालय के प्रांगण में कृष्ण जन्माष्टमी का कार्यक्रम बड़े धूमधाम के साथ मनाया गया। विद्यलाय के भैया-बहन के द्वारा कृष्ण, राधा, सुदामा, बलराम, गोपी आदि बनकर आए भैया बहन के द्वारा नृत्य प्रदर्शन किया गया। नगर में शोभायात्रा की झांकी निकाली गई। इस कार्यक्रम में उपस्थित पालकगण, विद्यालय के प्रधानाचार्य सत्यम सिंह, रीता यादव, मालती बघेल, बारती बघेल, तीजेश्वरी साहू, नंदिता सुरेन्द्र, कु. रोशनी डेनियल , राधामनी बघेल, वृन्दावती कश्यप सभी उपस्थित रहे।

मोबाइल टॉवर शुरू होने से ग्रामीणों को मिली बड़ी राहत

बीजापुर। जिले के भैरमगढ़ विखं अंतर्गत दूरस्थ एवं वनांचल क्षेत्र के ग्राम मेडपाल में नए मोबाइल टॉवर के शुरू होने से ग्रामीणों को लंबे इंतजार के बाद मोबाइल नेटवर्क की सुविधा मिलने लगी है। संचार सुविधा से वंचित रहे इस क्षेत्र के लिए मोबाइल कनेक्टिविटी की शुरुआत विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। मेडपाल एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में लंबे समय से मोबाइल नेटवर्क की सीमित उपलब्धता के कारण लोगों को परिजनों से संपर्क करने, आवश्यक जानकारी प्राप्त करने तथा ऑनलाइन सेवाओं का उपयोग करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। मोबाइल टॉवर के शुरू होने से अब ग्रामीणों को मोबाइल कॉल के साथ-साथ इंटरनेट आधारित सेवाओं का भी बेहतर लाभ मिलने की उम्मीद है।

सरस्वती शिशु मंदिर में हर्षोल्लास के साथ मनाया कृष्ण जन्मोत्सव

हरिभूमि न्यूज ⏭ गीदम

- भैया-बहन राधा-कृष्ण के आकर्षक वेश में सज-धज कर पहुंचे

सरस्वती शिशु मंदिर उच्च माध्यमिक विद्यालय गीदम में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी कृष्ण जन्मोत्सव बड़े ही हर्षोल्लास और कृष्णमय वातावरण में धूमधाम से मनाया गया। भाद्रपद कृष्ण पक्ष अष्टमी विक्रम संवत 2083 शुक्रवार को विद्यालय परिसर पूरी तरह भगवान कृष्ण की भक्ति और लीलाओं के रंग में रंगा नजर आया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में ममता दास मानिकपुरी, देवकी कश्यप और दुर्गेश्वरी जाड़े उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान श्रीकृष्ण की पूजा-अर्चना, आरती और भोग लगाकर किया गया। पूजा के बाद शिशु भारती और कन्या भारती की बहनों ने अतिथियों का पुष्प गुच्छ, श्रीफल और तिलक वंदन कर आत्मीय स्वागत किया। इस अवसर पर विद्यालय के लगभग 150 भैया-बहन राधा-कृष्ण के आकर्षक वेश में सज-धज कर पहुंचे थे। छोटे-छोटे कान्हा और राधा रानी के रूप में सजे बच्चों की मनमोहक छटा देखते ही बन रही थी। बच्चों की मासूम अदाएं और नटखट शरारतों ने उपस्थित सभी अभिभावकों और शिक्षकों का मन मोह लिया। विद्यालय द्वारा इस अवसर पर भजन प्रतियोगिता और रास नृत्य का आयोजन किया गया। भैया-बहनों ने कृष्ण भजनों पर भक्तिमय और मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किए, जिसने पूरे वातावरण को भक्तिरस से सराबोर कर दिया। इसके साथ ही अभिभावक बंधुओं और माताओं के मनोरंजन के लिए विभिन्न खेलों का भी आयोजन किया गया, जो सभी के लिए आकर्षण का केंद्र रहा।

कार्यक्रम का सबसे रोमांचक क्षण तब आया जब नन्हे कृष्ण और राधा के वेश में आए भैया-बहनों ने विद्यालय की बागवानी में लगे फल, माखन और दही का भगवान को भोग लगाकर पारंपरिक मटका फोड़ किया। इस दृश्य को देखकर पूरा परिसर तालियों और जय श्रीकृष्ण के जयकारों से गूंज उठा।कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित भैया-बहनों, अभिभावकों और अतिथियों को प्रसाद वितरण किया गया और सभी बच्चों को उपहार देकर सम्मानित किया गया। पूरे कार्यक्रम का सफल संचालन आचार्य गोवर्धन ठाकुर ने किया। उन्होंने अपने उद्बोधन में भगवान श्रीकृष्ण के प्राकट्य, उनके जीवन चरित्र और उनके द्वारा दिए गए गीता के उपदेशों के बारे में अभिभावकों और बच्चों को विस्तार से जानकारी दी और सभी से उनके आदर्शों को जीवन में अपनाने का आह्वान किया। अंत में उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों, अभिभावकों और सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर विद्यालय समिति के व्यवस्थापक

स्कूल में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी समारोह जीवंत हुईं कान्हा की बाल लीलाएं

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपालपटनम

डीएवी मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल उल्लूर भोपालपटनम में गुरुवार को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी समारोह श्रद्धा, उत्साह एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्राचार्य पी. वेणुगोपाल राव ने की।

- राधा-कृष्ण की मनमोहक झांकी, कृष्ण लीला, द्रौपदी चीरहरण एवं मटकी फोड़ ने मोहा दर्शकों का मन

समारोह के मुख्य अतिथि विजय कुमार कोरम, खंड शिक्षा अधिकारी तथा विशिष्ट अतिथि बीआरसी यालम शंकर एवं शिवराज कर्माकर रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं अतिथियों के स्वागत के साथ हुआ। इसके पश्चात हंशिका एवं समूह द्वारा प्रस्तुत स्वागत नृत्य ने कार्यक्रम में भक्तिमय वातावरण बना दिया। विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। समारोह का विशेष आकर्षण नन्हे विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत राधा-कृष्ण की मनमोहक झांकी एवं फैंसी ड्रेस प्रस्तुति रही। अलग-अलग रूपों में सजे राधा-कृष्ण के बाल स्वरूप ने सभी का मन मोह लिया। नन्हे बच्चों की मनमोहक वेशभूषा एवं बाल लीलाओं ने ऐसा वातावरण बनाया मानो पूरा विद्यालय परिसर वृंदावन और गोकुल में परिवर्तित हो गया हो। विद्यार्थियों ने श्रीकृष्ण की विभिन्न लीलाओं पर आधारित नृत्य भी प्रस्तुत किया। कालिया नाग के साथ भगवान श्रीकृष्ण के संघर्ष सहित कृष्ण की विभिन्न लीलाओं को बच्चों ने मंच पर जीवंत कर दिया। वहीं ईशु एवं समूह द्वारा प्रस्तुत द्रौपदी चीरहरण पर आधारित नाट्य प्रस्तुति अत्यंत प्रभावशाली रही। अंजलि एवं समूह ने भी शानदार नृत्य प्रस्तुति देकर दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं। कार्यक्रम में विद्यार्थियों द्वारा तैयार की गई मटकी सजावट भी आकर्षण का केंद्र रही। इसके साथ ही जन्माष्टमी के पारंपरिक उत्सव मटकी फोड़ का आयोजन किया गया, जिसमें छोटे बच्चों, बड़े विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। छोटे बच्चों को आंखों पर पट्टी बांधकर मटकी फोड़ने का अवसर दिया गया, जिसमें अरिशा खान ने मटकी फोड़ी। बड़े बच्चों की ओर से प्रज्ञा ने मटकी फोड़ी, जबकि शिक्षकों की ओर से सूर्यप्रकाश साहू एवं राजकुमार पटेल ने मटकी फोड़कर समारोह में उत्साह भर दिया। कार्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों द्वारा पुरस्कार राशि प्रदान कर सम्मानित किया गया। अतिथियों द्वारा बच्चों की प्रतिभा एवं प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया गया। प्राचार्य ने बताया भारतीय संस्कृति को अगली पीढ़ी तक पहुंचाना जरूरी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्राचार्य पी. वेणुगोपाल राव ने कहा कि हमारी भारतीय संस्कृति एवं परंपराओं को अगली पीढ़ी तक पहुंचाना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों से भगवान श्रीकृष्ण के जीवन से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। प्राचार्य ने बच्चों से संवाद करते हुए भगवान श्रीकृष्ण के माता-पिता, जन्मस्थान एवं जीवन से जुड़े विभिन्न प्रसंगों पर प्रश्न पूछे। उन्होंने श्रीकृष्ण-सुदामा प्रसंग का उल्लेख करते हुए बच्चों को मित्रता एवं संस्कारों का महत्व समझाया। साथ ही संस्कृत के श्लोकों के माध्यम से कर्म के महत्व को समझाते हुए कहा कि हमें अपना कर्म पूरी निष्ठा से करना चाहिए और परिणाम की चिंता नहीं करनी चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की शुभकामनाएं देते हुए कार्यक्रम की सराहना की। मुख्य अतिथि ने की कार्यक्रम की सराहना मुख्य अतिथि एवं खंड शिक्षा अधिकारी विजय कुमार कोरम ने कार्यक्रम की भूरि-भूरि प्रशंसा की। विद्यालय के सभी शिक्षक एवं स्टाफ सदस्यों ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सक्रिय भूमिका निभाई। विद्यार्थियों ने भी पूरे उत्साह एवं अनुशासन के साथ कार्यक्रम में सहभागिता की। कार्यक्रम का मंच संचालन भानुप्रताप सोनकर ने किया व कार्यक्रम प्रभारी सपना गुर्रम रहीं। कार्यक्रम की विभिन्न व्यवस्थाओं में विद्यालय के समस्त स्टाफ का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

धूमधाम से मना कृष्ण जन्मोत्सव

शोभायात्रा के साथ मटका फोड़, रस्साकशी व शंख वादन प्रतियोगिता

हरिभूमि न्यूज ⏭ भानपुरी

ग्राम पंचायत करन्दोला (भानपुरी) में श्री कृष्ण जन्माष्टमी का पावन पर्व बड़े ही हर्षोल्लास और भव्यता के साथ मनाया गया। धार्मिक एवं सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण और संवर्धन के उद्देश्य से आयोजित इस जन्मोत्सव में समस्त ग्रामवासियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती शिशु मंदिर भानपुरी में कलश आह्वान पूजन के साथ हुई। इसके उपरांत गाजे-बाजे और जयकारों के साथ शोभायात्रा निकाली गई। यह शोभायात्रा सरस्वती शिशु मंदिर से प्रारंभ होकर माता मंदिर होते हुए रानी दुर्गावती कल्याण आश्रम पहुंची। कल्याण आश्रम परिसर में देवस्थापना पूजन एवं विशाल भंडारे का आयोजन हुआ। दोपहर विभिन्न पारंपरिक व मनोरंजक खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें युवाओं और बच्चों ने पूरे उत्साह से हिस्सा लिया।

प्रमुख आकर्षणों में दही हांडी मटका फोड़, रस्साकशी रस्सी खींच राधा-कृष्ण वेशभूषा प्रतियोगिता, शंख वादन प्रतियोगिता के आयोजन से सराबोर रहा। शाम ढलते ही पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। श्री कृष्ण जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में रामायण पाठ, भजन कीर्तन एवं सत्संग भी किया गया।

इंद्रावती नदी पार बोड़गा में पीएम आवास योजना में बड़ा घोटाला

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपालपटनम

भैरमगढ़ जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत इतामपार के आश्रित ग्राम बोड़गा के निवासियों ने बीजापुर के विधायक विक्रम मंडावी से मुलाकात कर बताया कि गांव में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत लगभग 124 से अधिक मकान स्वीकृत हुए थे। इन मकानों के नाम पर ग्राम पंचायत के सचिव कोमल निषाद ने बैंक से प्रथम किस्त 30,000 रुपये तथा द्वितीय किस्त 55,000 रुपये निकलवाया और हितग्राहियों को मात्र 500-500 रुपये देकर यह कहते हुए घर भेज दिया कि मकान बनाकर देंगे। लेकिन मकान आज तक नहीं बने। इस गंभीर शिकायत को लेकर विधायक विक्रम मंडावी ग्रामीणों के साथ जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी नम्रता चौबे से मिले और वस्तुस्थिति से अवगत कराया। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने भी मामले की गंभीरता को देखते हुए मामले की जांच हेतु विधायक विक्रम मंडावी की अध्यक्षता में 7 सदस्यीय जांच दल गठित किया। प्रदेश कांग्रेस के निर्देश पर यह जांच दल दिनांक 3 सितंबर 2026 को इंद्रावती नदी पार कर ग्राम बोड़गा पहुंचा। दल ने प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों से मुलाकात की और स्वीकृत मकानों की वास्तविक स्थिति का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान हितग्राहियों ने कांग्रेस के जांच दल को बताया कि सचिव कोमल निषाद तथा सरपंच बोटीराम उन्हें बैंक एवं आधार सेवा केंद्र ले गए। वहां प्रत्येक हितग्राही के खाते से पहले 30,000 रुपये और बाद में 55,000 रुपये निकलवाए गए। मकान बनाकर देने का आश्वासन देकर पूरी राशि सचिव और सरपंच ने वापस ले ली। इसके बाद प्रत्येक हितग्राही को केवल 500 रुपये देकर गांव भेज दिया गया। एक वर्ष से अधिक समय बीत जाने के बाद भी बोड़गा में प्रधानमंत्री आवास योजना के मकान नहीं बने हैं। जांच दल के संयोजक एवं बीजापुर विधायक ने इस पूरे मामले को लेकर कहा कि "हर परिवार का सपना होता है कि उसका अपना पक्का मकान हो। लेकिन ग्राम बोड़गा के हितग्राहियों और ग्रामीणों से मुलाकात तथा मौका-मुआयना के बाद यह स्पष्ट हो गया है कि प्रधानमंत्री आवास योजना में भारी भ्रष्टाचार हुआ है। ग्राम पंचायत इतामपार के सचिव कोमल निषाद ने 124 से अधिक मकानों की पूरी राशि मकान बनाने के नाम पर निकालकर एक वर्ष से अधिक समय तक अपने पास रखा, गरीब आदिवासियों के मकान नहीं बनाए गए और पूरी राशि हड़प ली गई। यह गरीब आदिवासियों के साथ किया गया बड़ा अन्याय और भ्रष्टाचार है। विधायक ने यह भी कहा कि यह क्षेत्र पहले पूरी नक्सल प्रभावित क्षेत्र था, वर्षों बाद पहली बार कोई शासकीय कार्य हो रहा है और पहली बार शासन प्रशासन की पहुंच इन गांवो तक हो रही है, इसके बाद भी भ्रष्टाचार पर कार्यवाही नहीं होती है तो यह अपने आप में दुर्भाग्यपूर्ण है। विधायक ने आगे कहा कि इस पूरे मामले में ग़रीब आदिवासियों को उचित न्याय मिले और पूरी राशि को भ्रष्टाचार करते हुए हड़पने वाले सचिव कोमल निषाद और सरपंच बोटीराम के भ्रष्टाचार की जांच कर कड़ी कार्रवाई हो।" इस दौरान जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष लालू राठौर, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष शंकर कुड़ियम, जिला पंचायत सदस्य नीना रावतिया उद्दे, पूर्व जिला पंचायत सदस्य बसंत राव ताटी, जिला पंचायत सदस्य लच्छू राम मौर्य, जनपद सदस्य नीलो लेकाम, पूर्व जनपद सदस्य सहदेव नेगी, विधायक प्रतिनिधि जगदेव यादव, पूर्व नगर पंचायत उपाध्यक्ष पुरुषोत्तम सल्लूर, गुड्डू कोरसा और बाबूलाल राठी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण और प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थी मौजूद थे।

कृष्ण जन्माष्टमी पर राधा कृष्ण बने नन्हें बच्चे...

जगदलपुर। सनातन धर्म में भगवान कृष्ण की बाल लीलाएं सबसे ज्यादा माताओं को प्रभावित करती है। अपने नन्हें बच्चों को कृष्ण और राधा का स्वरूप देने में माताएं काफी मेहनत करती है। स्कूलों से लेकर घरों तक में राधा कृष्ण बनी छोटे बालक बालिकाएं आर्कषण का केन्द्र रहें। आडावाल की आध्या शर्मा राधा बनी अपनी मां की गोद में लोगों को आर्कषित कर रही थी। वहीं सोशल मीडिया में कान्हा बने बच्चें बांसूरी बजाते दिखे।

शिक्षा के क्षेत्र में बस्तर ने रचा नया कीर्तिमान

हरिभूमि न्यूज ⏭ बस्तर

शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर कार्य, नवाचार और गुणवत्तापूर्ण गतिविधियों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए बस्तर विकासखंड को उत्कृष्ट विकासखंड के सम्मान से नवाजा गया है। ओपन लिंक्स फाउंडेशन (विनोबा) की ओर से प्रदान किया गया यह सम्मान बस्तर की शैक्षणिक उपलब्धियों की बड़ी पहचान माना जा रहा है।

सम्मान समारोह में कलेक्टर आकाश छिकारा एवं जिला पंचायत सीईओ तन्मय खन्ना ने बस्तर विकासखंड की ओर से खंड शिक्षा अधिकारी भारती देवांगन को सम्मानित किया। यह उपलब्धि विकासखंड के शिक्षकों, संकुल समन्वयकों और शिक्षा विभाग की पूरी टीम के निरंतर प्रयासों का परिणाम है। सम्मान मिलने पर बीईओ भारती देवांगन ने सभी शिक्षकों, संकुल समन्वयकों एवं शिक्षा विभाग से जुड़े कर्मचारियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह सम्मान किसी एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि पूरे बस्तर विकासखंड के शिक्षा परिवार की मेहनत, समर्पण और टीम भावना का परिणाम है। उन्होंने शिक्षकों से इसी उत्साह के साथ बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि बस्तर के शिक्षक विषम एवं चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भी बच्चों के शैक्षणिक और सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर प्रयास कर रहे हैं। इस सम्मान से पूरे शिक्षा परिवार में नई ऊर्जा का संचार होगा। उत्कृष्ट विकासखंड का सम्मान मिलने से शिक्षकों में हर्ष का माहौल है। इस अवसर पर बीआरसी अजम्बर कोर्राम सहित शिक्षक उपस्थित रहे।

व्यवस्थाओं को लेकर नपं अध्यक्ष एक्शन में

हरिभूमि न्यूज ⏭ गीदम

- मुख्य मार्गो की खराब स्ट्रीट लाइट बदली जा रही
- गड्ढों के तत्काल मरम्मत के लिए कलेक्टर से अनुरोध

आगामी शारदीय नवरात्रि एवं अन्य त्योहारी आयोजनों को देखते हुए नगर पंचायत गीदम द्वारा नगर की मूलभूत व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए विशेष अभियान शुरू किया गया है। नगर पंचायत अध्यक्ष रजनीश सुराना ने त्योहारो से पहले नगर की प्रकाश व्यवस्था और सड़कों की स्थिति को सुधारने के लिए कमर कस ली है और संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ लगातार समन्वय बनाकर कार्यों को गति दे रहे हैं। नवरात्रि पर्व पर गीदम नगर में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं का आगमन होता है। माता के दरबारों में रात भर चहल-पहल रहती है, ऐसे में नगर की रौनक और सुरक्षा दोनों ही दृष्टि से स्ट्रीट लाइट और सड़कों का दुरुस्त होना बेहद जरूरी है। इसी को ध्यान में रखते हुए नगर पंचायत ने मुख्य मार्गों पर खराब पड़ी स्ट्रीट लाइटों को बदलने और नई लाइटें लगाने का कार्य युद्ध स्तर पर शुरू कर दिया है।

लाइट एवं सड़कों की व्यवस्था दुरुस्त करने पर जोर

स्काईलिफ्ट वाहन की कमी बनी बड़ी चुनौती

नगर पंचायत अध्यक्ष रजनीश सुराना ने बताया कि लाइट सुधार कार्य में सबसे बड़ी बाधा स्काईलिफ्ट वाहन की कमी है। स्ट्रीट लाइटें काफी ऊंचाई पर लगी होने के कारण उनकी मरम्मत बिना स्काईलिफ्ट के संभव नहीं है। नपं गीदम के पास स्वयं का स्काईलिफ्ट वाहन उपलब्ध नहीं है, जिसके कारण कोई लाइट खराब होने पर उसे तत्काल ठीक कर पाना मुश्किल हो जाता है। वर्तमान में नगर पालिका दंतेवाड़ा से दो दिनों के लिए स्काईलिफ्ट वाहन उधार लिया गया है। चूंकि नवरात्रि को देखते हुए दंतेवाड़ा में भी इस वाहन की आवश्यकता है, इसलिए सीमित समय के लिए ही यह सुविधा गीदम को मिल पाई है। नगर पंचायत की टीम इन दो दिनों में अधिक से अधिक खराब लाइटों को दुरुस्त करने में जुटी हुई है। अध्यक्ष सुराना ने कहा कि गीदम नपं के लिए स्थायी रूप से एक स्काईलिफ्ट वाहन की सख्त आवश्यकता है। इस संबंध में कलेक्टर से भी अनुरोध किया गया है कि नपं को अपना स्काईलिफ्ट उपलब्ध कराया जाए। यदि अपना वाहन होगा तो एक भी लाइट खराब होते ही उसे तुरंत ठीक किया जा सकेगा। साथ ही पेड़ों की कटाई-छंटाई और ऊंचाई पर होने वाले अन्य रखरखाव कार्यों में भी इसका उपयोग हो सकेगा।

लाइटों को किया जा रहा सुधार

नगर के मुख्य मार्गों, चौक-चौराहों और भीड़भाड़ वाले स्थानों व नपं के वार्ड में लगी खराब लाइटों को चिन्हांकित कर उन्हें ठीक किया जा रहा है। नई लाइटें मंगाई गई हैं और जहां लाइटें पूरी तरह खराब हो चुकी हैं, वहां नई लाइटें लगाई जा रही हैं। अध्यक्ष ने बताया कि नवरात्रि के दौरान नगर में रात्रि के समय आवागमन में किसी प्रकार की बाधा न हो और श्रद्धालुओं को सुरक्षित वातावरण मिले, इसके लिए प्रकाश व्यवस्था को प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने कहा कि मुख्य मार्ग पर अंधेरा रहना नगर की व्यवस्था और नागरिकों की सुरक्षा की दृष्टि से उचित नहीं है। त्योहारी सीजन में नगर की सुंदरता और रौनक भी प्रकाश व्यवस्था से ही बढ़ती है, इसलिए उपलब्ध संसाधनों के माध्यम से सभी खराब लाइटों को जल्द से जल्द ठीक कराया जा रहा है।

सड़कों के गड्ढे भरने व नई सड़क की मांग

नवरात्रि पर श्रद्धालुओं की सुविधा को देखते हुए सड़कों की मरम्मत पर भी जोर दिया जा रहा है। नगर के मुख्य मार्गों पर जगह-जगह गड्ढे हो गए हैं, जिससे आवागमन में परेशानी और दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। नगर पंचायत अध्यक्ष ने कलेक्टर से इन गड्ढों को नवरात्रि से पहले तत्काल भरने का अनुरोध किया है। साथ ही उन्होंने कहा कि मुख्य मार्गों पर पहले कई बार पेचवर्क और मरम्मत का काम हो चुका है, लेकिन वह ज्यादा दिनों तक टिक नहीं पाता। बार-बार पेचवर्क करने से समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो रहा है। इसलिए संबंधित विभाग के माध्यम से मुख्य मार्गों का परीक्षण कराकर जहां आवश्यकता है, वहां नई और गुणवत्तापूर्ण सड़क का निर्माण कराया जाना चाहिए।

आवासीय संस्थाओं को अपना घर और बच्चों को अपना समझकर करें कार्य: यादव

हरिभूमि न्यूज ⏭ दंतेवाड़ा

स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव की अध्यक्षता में नवीन विश्राम गृह में जिले के समस्त पोटा केबिन आवासीय विद्यालयों, पोटा केबिन हाई स्कूल छात्रावासों एवं कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालयों के अधीक्षकों की समीक्षा बैठक की गई। बैठक में आवासीय संस्थाओं की शैक्षणिक व्यवस्था के साथ बच्चों के आवास, भोजन, स्वास्थ्य, स्वच्छता, सुरक्षा, पेयजल, विद्युत एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं की समीक्षा की गई।

शिक्षा मंत्री ने कहा कि आवासीय विद्यालय एवं छात्रावासों में रहने वाले बच्चों की शिक्षा के साथ उनके स्वास्थ्य, सुरक्षा, पोषण एवं समुचित देखभाल की जिम्मेदारी भी महत्वपूर्ण है। उन्होंने अधीक्षकों को संस्था को अपना घर और बच्चों को अपने बच्चों की तरह समझकर कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अधीक्षक संस्था में निवास करें और बच्चों के बीच नियमित रूप से उपस्थित रहकर उनकी समस्याओं को समझें तथा संवेदनशीलता के साथ उनका निराकरण करें। उन्होंने प्रत्येक संस्था में शासन द्वारा निर्धारित समय-सारणी एवं शैक्षणिक कैलेण्डर का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। प्रार्थना, अध्ययन, भोजन, खेलकूद, संध्याकालीन अध्ययन एवं रात्रि विश्राम तक बच्चों की दिनचर्या सुव्यवस्थित रखने तथा प्रार्थना के साथ मंत्रोच्चार एवं अमृतवाणी विचार का वाचन कराने कहा। बच्चों के स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए मंत्री ने बीमार होने पर तत्काल उपचार उपलब्ध कराने तथा आवश्यकता पड़ने पर उच्च स्वास्थ्य संस्था में रेफर करने के निर्देश दिए। उन्होंने नियमित स्वास्थ्य परीक्षण एवं स्वास्थ्य शिविर आयोजित करने को कहा। भोजन व्यवस्था की समीक्षा करते हुए निर्धारित मीनू के अनुसार गुणवत्तापूर्ण, पौष्टिक, स्वच्छ एवं गर्म भोजन उपलब्ध कराने तथा रसोईघर एवं खाद्य सामग्री के भंडारण की नियमित निगरानी के निर्देश दिए।

खबर संक्षेप

हॉस्पिटल की जमीन पर तबेला मंजूर नहीं

जगदलपुर। नगरनार क्षेत्र के ग्राम कोपागुड़ा में हॉस्पिटल निर्माण के लिए एनएमडीसी एवं जिला प्रशासन द्वारा लगभग 30 एकड़ भूमि की बाउंड्री कर उसे सुरक्षित रखा गया है।

अब इसी भूमि में से लगभग 10 एकड़ जमीन देवभोग दुग्ध सहकारी समिति को तबेला खोलने के लिए देने ग्राम पंचायत पर दबाव बनाए जाने की जानकारी सामने आई है। इस प्रस्ताव का ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष नगरनार संतोष सेठिया ने क्षेत्र की जनता के साथ विरोध किया है। उन्होंने कहा कि नगरनार क्षेत्र में लंबे समय से हॉस्पिटल की आवश्यकता महसूस की जा रही है। क्षेत्र की बड़ी आबादी को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए अन्य स्थानों पर निर्भर रहना पड़ता है। ऐसे में हॉस्पिटल निर्माण के लिए सुरक्षित रखी गई जमीन का उपयोग किसी अन्य कार्य के लिए किया जाना क्षेत्र की जनता के हितों के साथ खिलवाड़ है। एनएमडीसी क्षेत्र की जनता को हॉस्पिटल जैसी मूलभूत स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने के बजाय हॉस्पिटल के लिए सुरक्षित भूमि पर तबेला खोलने की तैयारी कर रही है। सेठिया ने कहा कि लगभग डेढ़ वर्ष पूर्व क्षेत्र की झाड़ेश्वर सहकारी समिति एवं ग्रामीणों द्वारा मांगों को लेकर हड़ताल एवं आंदोलन किया गया था। इसके बावजूद समस्याओं का समाधान नहीं हुआ। सहकारी समिति से जुड़े मुद्दे भी हल नहीं हुए और मामला मुख्य रूप से परिवहन तक सीमित होकर रह गया है। उन्होंने प्लांट के अंदर पर्यावरण से जुड़े मुद्दे पर कहा कि लगभग 14-15 वर्ष पूर्व पेड़ लगाए गए थे। इन पेड़ों के आसपास प्लांट से निकलने वाले स्लैग एवं डस्ट डाले जाने से पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका है।

बस्तर की महिलाओं के सपनों को मिली नई छत

जगदलपुर। बस्तर अंचल में ग्रामीण महिलाओं के आत्मनिर्भर बनने का सपना अब हकीकत का रूप ले चुका है। ग्राम पंचायत परचनपाल में महतारी सदन योजना के तहत 30 लाख रुपये की लागत से एक सर्वसुविधायुक्त 'महतारी सदन' तैयार हो गया है। ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग, जगदलपुर की देखरेख में आकार ले चुका यह भवन करीब 233 वर्गमीटर के विस्तृत परिसर में तैयार हुआ है। इस केंद्र में महिला समूहों के हुनर को सीधा बाजार देने की खास व्यवस्था की गई है। गांव की महिलाएं अपने हाथों से बनाए उत्पाद सीधे ग्राहकों तक पहुंचा सकें, इसके लिए भवन के मुख्य द्वार पर ही एक समर्पित 'दुकान' बनाई गई है।

रेड रन मैराथन में युवाओं ने दिया एचआईवी, एड्स जागरूकता का संदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

शहर के शहीद महेन्द्र कर्मा विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में छत्तीसगढ़ राज्य एड्स नियंत्रण समिति रायपुर एवं राज्य एनएसएस अधिकारी रायपुर के संयुक्त सहयोग से एक सितम्बर को क्रीड़ा परिसर धरमपुरा में रेड रन मैराथन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में एचआईवी, एड्स के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना, स्वस्थ एवं सक्रिय जीवनशैली को प्रोत्साहित करना तथा एचआईवी, एड्स से संबंधित भ्रांतियों, सामाजिक भेदभाव एवं गलत धारणाओं को दूर करने का संदेश आमजन तक पहुंचाना था। रेड रन मैराथन में विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित विभिन्न महाविद्यालयों के छात्र-छात्राओं तथा राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

महाविद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक लिया हिस्सा

स्वस्थ जीवन का दिया संदेश

अतिथियों ने कहा कि एचआईवी, एड्स के प्रति सही जानकारी, जागरूकता और वैज्ञानिक दृष्टिकोण ही संक्रमण की रोकथाम के महत्वपूर्ण आधार हैं। एचआईवी, एड्स को लेकर समाज में आज भी अनेक भ्रांतियां एवं गलत धारणाएं मौजूद हैं। ऐसी परिस्थितियों में युवाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। युवाओं में जागरूकता बढ़ाकर न केवल एचआईवी संक्रमण की रोकथाम की दिशा में प्रभावी प्रयास किया जा सकता है, बल्कि एचआईवी से प्रभावित व्यक्तियों के प्रति समाज में व्याप्त भेदभाव, भय और भ्रांतियों को भी दूर किया जा सकता है। कार्यक्रम के माध्यम से युवाओं को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने, नियमित शारीरिक गतिविधियों में भाग लेने तथा समाज में सकारात्मक संदेश प्रसारित करने के लिए प्रेरित किया गया।

प्रतिभागियों ने पूरे जोश, अनुशासन, उमंग एवं खेल भावना के साथ मैराथन में भाग लेते हुए एचआईवी, एड्स से बचाव, जागरूकता एवं स्वस्थ जीवन के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का सार्थक प्रयास किया। कार्यक्रम के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि एचआईवी, एड्स के संबंध में सही जानकारी और वैज्ञानिक दृष्टिकोण समाज को जागरूक बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। विशेष रूप से युवाओं को जागरूक कर एचआईवी संक्रमण की रोकथाम के साथ-साथ एचआईवी से प्रभावित व्यक्तियों के प्रति संवेदनशील एवं भेदभावमुक्त व्यवहार को बढ़ावा दिया जा सकता है। रेड रन मैराथन जैसे आयोजन स्वास्थ्य, खेल एवं सामाजिक जागरूकता को एक मंच पर लाने का प्रभावी माध्यम हैं। ऐसे आयोजनों से युवाओं में नेतृत्व क्षमता, अनुशासन, टीम भावना एवं सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित होती है।

धुरवा समाज के पहले पीएचडी धारक डॉ. गंगाराम कश्यप को राष्ट्रीय सम्मान

शिक्षा के साथ समाजसेवा को बनाया जीवन का उद्देश्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

शिक्षक दिवस पर विशेष

बस्तर के सुदूर वनांचल में शिक्षा की अलख जगाने वाले और धुरवा जनजाति समाज के प्रथम पीएचडी धारक डॉ. गंगाराम कश्यप को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया गया है। वर्तमान में शासकीय उच्चतर

- शिक्षा, साहित्य, शोध और समाजसेवा में उत्कृष्ट योगदान के लिए भगवान बिरसा मुंडा स्मृति सम्मान से नवाजा गया

माध्यमिक विद्यालय, छिंदावाड़ा, विकासखंड दरभा, जिला बस्तर में प्राचार्य के पद पर कार्यरत डॉ. कश्यप को शिक्षा, साहित्य, अकादमिक शोध एवं समाजसेवा के क्षेत्र में उनके असाधारण योगदान के लिए प्रतिष्ठित भगवान बिरसा मुंडा स्मृति सम्मानह्व प्रदान किया गया। यह गरिमामयी सम्मान 24 अगस्त को झारखंड के जमशेदपुर स्थित आदित्यपुर ऑटो क्लस्टर ऑडिटोरियम में आयोजित राष्ट्रीय समारोह में प्रदान किया गया। सम्मान समारोह का आयोजन अस्तित्व चैरिटेबल ट्रस्ट, चंडीगढ़ (पंजाब) और साहित्य श्री दरबार फाउंडेशन, रीवा (मध्यप्रदेश) के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। डॉ. कश्यप की इस उपलब्धि से बस्तर सहित पूरे छत्तीसगढ़ का गौरव बढ़ा है। डॉ. गंगाराम कश्यप का जीवन संघर्ष, शिक्षा, समर्पण और समाजसेवा की प्रेरक मिसाल है। सुदूर वनांचल में शिक्षण कार्य करते हुए उन्होंने न केवल विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा देने का प्रयास किया, बल्कि जरूरतमंद और गरीब परिवारों के बच्चों की आर्थिक एवं मानसिक मदद भी लगातार करते रहे हैं। उनकी शैक्षणिक उत्कृष्टता और शिक्षण के प्रति समर्पण को देखते हुए 5 सितंबर 2018 को उन्हें राज्य शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। यह सम्मान तत्कालीन विधानसभा अध्यक्ष गौरीशंकर अग्रवाल के कर-कमलों से प्रदान किया गया था। शिक्षा, साहित्य, अकादमिक शोध और समाजसेवा में उत्कृष्ट योगदान के लिए डॉ. गंगाराम कश्यप को ह्यभगवान बिरसा मुंडा स्मृति सम्मान प्रदान किया गया। शिक्षण के प्रति समर्पण और शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए 5 सितंबर 2018 को डॉ. कश्यप को राज्य शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

सम्मान राशि से बनवा दिया स्कूल का मुख्य द्वार

डॉ. कश्यप की समाजसेवा का सबसे प्रेरक पक्ष यह है कि उन्होंने अपनी उपलब्धियों को व्यक्तिगत लाभ तक सीमित नहीं रखा। राज्यपाल पुरस्कार के रूप में प्राप्त संपूर्ण सम्मान राशि को उन्होंने अपने पूर्व पदस्थ विद्यालय माध्यमिक शाला भेजरीपदर के मुख्य द्वार के निर्माण में लगा दिया। उनका मानना है कि पुरस्कार से मिलने वाली राशि यदि शिक्षा और विद्यार्थियों के हित में खर्च हो तो उसका महत्व और बढ़ जाता है। गरीब विद्यार्थियों की जरूरतों को समझते हुए वे अपनी क्षमता के अनुसार उनकी आर्थिक और मानसिक सहायता करते हैं। यही वजह है कि विद्यार्थियों और ग्रामीण समाज के बीच डॉ. कश्यप की पहचान केवल एक शिक्षक या प्राचार्य के रूप में नहीं, बल्कि एक मार्गदर्शक और समाजसेवी के रूप में बनी है।

97 जोड़ों का कराया सामूहिक विवाह

धुरवा जनजाति समाज से उच्च शिक्षा के शिखर तक पहुंचने वाले प्रथम व्यक्ति होने के नाते डॉ. कश्यप ने अपने समाज को सामाजिक कुरीतियों और अनावश्यक खर्च से मुक्त करने का प्रयास भी किया। आदिवासी परिवारों को विवाह में होने वाली फिजूलखर्ची और कर्ज के बोझ से बचाने के उद्देश्य से उन्होंने सहयोग एवं कुशल प्रबंधन के माध्यम से अब तक 97 जोड़ों का सामूहिक विवाह संपन्न कराया है। उनके इस प्रयास से अनेक परिवारों को आर्थिक राहत मिली है। सामूहिक विवाह के माध्यम से उन्होंने समाज में सादगीपूर्ण विवाह को बढ़ावा देने के साथ सामाजिक एकजुटता का संदेश भी दिया है।

74 उत्कृष्ट शिक्षक और प्राचार्य होंगे 'मुख्यमंत्री शिक्षा गौरव अलंकरण' से सम्मानित

जगदलपुर। शिक्षक दिवस के पावन अवसर पर कल शनिवार 5 सितम्बर को बस्तर संभाग के अंतर्गत शिक्षा के क्षेत्र में अहम योगदान निभाने वाले समर्पित शिक्षकों के सम्मान में जगदलपुर स्थित डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी टाउन हॉल में भव्य 'मुख्यमंत्री शिक्षा गौरव अलंकरण समारोह' का आयोजन किया जा रहा है। संयुक्त संचालक शिक्षा संभाग बस्तर तथा जिला प्रशासन व स्कूल शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में दोपहर 11 बजे से आयोजित होने वाले इस गरिमामयी कार्यक्रम में संभाग के सातों जिलों से चयनित कुल 74 प्राचार्यों, प्रधान पाठकों और व्याख्याताओं को शिक्षा के उन्नयन में दिए गए उनके अतुलनीय योगदान के लिए सम्मानित किया जाएगा। इस सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बस्तर सांसद महेश कश्यप उपस्थित रहेंगे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर निगम जगदलपुर के महापौर संजय पाण्डे करेंगे। इस अवसर पर चित्रकोट विधायक विनायक गोयल, बस्तर विधायक लखेश्वर बघेल, जिला पंचायत अध्यक्ष वेदवती कश्यप, उपाध्यक्ष बलदेव मंडावी, नगर निगम अध्यक्ष खेम सिंह देवांगन, शिक्षा समिति सभापति कलावती कसेर तथा जिला कमिश्नर स्काउट गाइड सुरेश गुप्ता सहित जनप्रतिनिधिगण मंच साझा करेंगे।

राधा के रूप में सजी अन्नया...

जगदलपुर। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर शहर के धरमपुरा रोड स्थित पुराना हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी निवासी डेढ़ वर्षीय अन्नया को राधा के मनमोहक रूप में सजाया गया। राधा की वेशभूषा में अन्नया की मनमोहक तस्वीर आकर्षण का केंद्र रही।

नशा और लापरवाही से बस्तर में बढ़ रहे किडनी के मरीज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

अपनी प्राकृतिक सुंदरता, शुद्ध आबोहवा और पारंपरिक खान-पान के लिए प्रसिद्ध बस्तर अब बदलती जीवनशैली की चपेट में आ चुका है। क्षेत्र के नागरिक तेजी से संक्रामक और गंभीर बीमारियों

- ग्रामीण इलाकों में अत्यधिक मांसाहार, कम पानी पीना और अस्वच्छ शौचालय बन रहे यूरोलॉजी रोगों का मुख्य कारण

के शिकार होकर अस्पतालों के चक्कर काटने को मजबूर हैं। यूरोलॉजी (मूत्र रोग व किडनी) के मामलों में आ रही चिंताजनक बढ़ोतरी ने स्वास्थ्य विशेषज्ञों को अलर्ट कर दिया है। डॉक्टरों के मुताबिक, इस बीमारी की जद में अब बुजुर्गों के साथ-साथ बड़ी संख्या में युवा भी आ रहे हैं।

विशेषज्ञों का कहना है कि बस्तर के ग्रामीण व दूर-दराज के इलाकों में लोग अक्सर शुरुआती यूरिनरी ट्रैक्ट इन्फेक्शन को सामान्य मानकर अनदेखा कर देते हैं। जागरूकता की कमी के कारण यही साधारण दिखने वाला संक्रमण आगे चलकर यूरोलॉजी और किडनी से संबंधित गंभीर व जानलेवा रोगों का कारण बन रहा है।

डॉक्टरों के मुताबिक बस्तर में

किडनी से संबंधित बीमारियों के बढ़ने के पीछे चार मुख्य वजहें सामने आ रही हैं। इसमें सबसे प्रमुख कारण क्षेत्र में बढ़ता नशापान और पर्याप्त मात्रा में साफ पानी (पेयजल) न पीना है, जिससे किडनी को गंभीर नुकसान पहुँच रहा है। इसके साथ ही ग्रामीण अंचलों में अत्यधिक मांसाहार का सेवन और शराब-तंबाकू जैसे व्यसनों की लत किडनी को अंदर से कमजोर कर रही है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने क्षेत्र के नागरिकों से अपील की है कि वे अपनी जीवनशैली में सुधार करें। दिन में कम से कम 8 से 10 गिलास साफ पानी पिएं और नशे से पूरी तरह दूरी बनाएं। इसके अलावा, डायबिटीज और उच्च रक्तचाप के मरीज अपने ब्लड शुगर और बीपी को हमेशा नियंत्रित रखें। बीमारी से बचने के लिए सबसे जरूरी है कि लोग नियमित स्वास्थ्य जांच कराएं और साल में कम से कम एक बार किडनी फंक्शन टेस्ट और यूरिन टेस्ट जरूर करवाएं, ताकि किसी भी खतरे को शुरुआती चरण में ही रोका जा सके।

नशापान से दूरी से मरीजों को मिलेगा लाभ

कॉन्टिनेंटल सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल (सीसीएसएच) के प्रसिद्ध यूरोलाजिस्ट डॉ. सीताराम तेजावत ने हरिभूमि से चर्चा के दौरान कहा कि पेट में दर्द, बारबार पेशाब आना, पेशाब का रूक जाना या जलन होना यह यूरोलाजी की समस्याएं हैं। उन्होंने कहा कि सावधानी से अधिक बचाव की ओर ध्यान देकर इन समस्याओं से छुटकारा पा सकते हैं। इनमें अधिक मात्रा में शुद्ध पेयजल का सेवन, कम मात्रा में नमक खाना, सीमित मांसाहार करना एवं नशापान से दूरी से मरीजों को लाभ मिल सकता है। इसके अलावा ब्लडप्रेशर के मरीजों को मूत्राशय की समस्याओं का ज्यादा सामना करना पड़ता है।

नेतानार उप स्वास्थ्य केंद्र का संयुक्त संचालक डॉ सांडिया ने किया औचक निरीक्षण

जगदलपुर। बस्तर संभाग के स्वास्थ्य संयुक्त संचालक डॉ. महेश सांडिया तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजय बसाक ने स्वास्थ्य विभाग के दल के साथ अमर जगदलपुर विकासखंड के अंतर्गत ग्राम नेतानार स्थित उप स्वास्थ्य केंद्र का आकस्मिक निरीक्षण किया। इस औचक दौरे से मैदानी स्वास्थ्य अमले में खासी सक्रियता देखी गई। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने केंद्र में आम जनता को मिल रही बुनियादी चिकित्सीय सुविधाओं और केंद्र व राज्य शासन की महत्वाकांक्षी स्वास्थ्य योजनाओं के धरातल पर क्रियान्वयन की बारीक पड़ताल की। निरीक्षण दल द्वारा केंद्र में संचालित मलेरिया नियंत्रण, टीबी उन्मूलन, सुरक्षित मातृत्व, प्रसव पूर्व जांच, संस्थागत प्रसव तथा नियमित टीकाकरण जैसे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों की गहन समीक्षा की गई। इसके साथ ही पैथोलॉजी लैब की जांच प्रक्रियाओं का प्रत्यक्ष अवलोकन करते हुए मरीजों को समयबद्ध और सटीक जांच रिपोर्ट उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। औषधि भंडार कक्ष के मुआयने के दौरान डॉ. सांडिया ने दवाओं के रख-रखाव को लेकर कड़े निर्देश जारी किए।